Training on non-timber forest produce inaugurated at TFRI

■ Staff Reporter

TRAINING on 'Value Addition and marketing of Non-Timber Forest Produce/ Medicinal Plants' was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI) under Green Skill Development Programme sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi.

Dr G Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcoming the guests, addressed the gathering and spoke about the importance of non-timber forest produce and its exceeding economic value over forest timber. He evoked trainees to utilise their time at the institute to improve their knowledge about medicinal plants to best of their capacity.

The guest of honour, Dr S D Upadhyay, iProfessor and Head Forestry Division, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur, appreciated the full-fledged course design of the training encompassing cultivation, sustainable harvesting, value chain and marketing of forest produce. Dr Geeta Joshi, training in-charge, elucidated about the importance and purpose of this second training organised by TFRI under the skill development programme of Government of India. Dr Nanita Berry, training coordinator welcomed the group of participants and briefed them about the training schedule consisting of 39 lectures and 4 field visits constituting various aspects of medicinal plants and other forest produce. She also spoke about the field visits scheduled under the programme to visit Vindhya Herbals in Bhopal, Mahua, Aonla, Chirongi processing units at Tamia, aromatic distillation units, interaction with various traders and farmers and demonstration plots cultivating medicinal plants.

Guests releasing course manual during training programme.

Director TFRI, Dr S D Upadhyay and other scientists released the course manual during the event. Around 22 participants coming from different backgrounds will be participating in this 15-day long training programme. The group of participants are from agricultural, forestry, engineering and technical fields, farmers interested in cultivation and marketing of NTFPs, NGOs and entrepreneurs interested in medicinal plant sectors. Dr Hari Om Saxena, training director convened the inaugural session and the session concluded by extension of vote of thanks by Dr M Kundu. Other senior scientists and officers like Dr P B Meshram, C Behra (IFS), Dr S Chakrabarti, Dr Fatima Shirin, Dr Avinash Jain, Dr Arun Kumar, Dr S Sarvanan along with other scientists, officers and employees of the institute were also present at the ceremony.

अकाष्ठ वन उपज व औषधीय पौधों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आयोजन

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में अकाष्ठ वन उपज व औषधीय पौधों के मूल्य संवर्धन और विपणन पर प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में टीएफआरआई निदेशक डॉ जी. राजेश्वर राव (एआरएस) ने मेहमानों का स्वागत कर सभा को संबोधित किया और अकाष्ठ वन उपज और काष्ठ के आर्थिक तुलनात्मक मूल्य के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संस्थान में अपने समय का उपयोग करने और औषधीय पौधों के बारे में अपने ज्ञान को बेहतर बनाने की सलाह दी। समारोह के अतिथि डॉ एसडी उपाध्याय प्रोफेसर और हेड फारेस्ट्री, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण के पूर्ण विकसित पाठ्यक्रम में खेती, सतत कटाई, मूल्य संवर्धन और विपणन के शामिल करने की सराहना की।

प्रशिक्षण प्रभारी डॉ गीता जोशी ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत संस्थान द्वारा आयोजित इस दूसरे प्रशिक्षण के महत्व और उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ ननिता बेरी, प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रतिभागियों के समूह को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जिसमें 39 व्याख्यान और 4 फील्ड विजिट शामिल हैं तथा औषधीय पौधों और अन्य वन उपज के विभिन्न पहलुओं का समावेश है। उन्होंने कार्यक्रम के तहत निर्धारित भोपाल स्थित विंध्य हर्बल्स, तामिया में चिरौंजी प्रसंस्करण इकाइयों, सुगंधित वनस्पति इकाइयों, विभिन्न व्यापारियों और किसानों के साथ बातचीत और औषधीय पौधों की खेती के लिए फील्ड विजिट के बारे में विस्तार से बताया। डॉ जी. राजेश्वर राव, डॉ एसडी उपाध्याय और अन्य वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम के दौरान पाठ्यक्रम पुस्तिका जारी की। 15 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न पृष्ठभूमि से आने वाले 22 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रतिभागियों के समूह में कृषि, वानिकी, इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े छात्र, अकाष्ठ वन उपज की खेती और विपणन में रुचि रखने वाल किसान एवं गैर-सरकारी संस्थान से आये प्रतिनिधि और उद्यमी शामिल हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ हरिओम सक्सेना, प्रशिक्षण निदेशक ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ एम. कुंडू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ पीबी मेश्राम, सी. बेहरा (आईएफएस), डॉ एस. चक्रवर्ती, डॉ फातिमा शिरीन सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

औषधीय पौधों का महत्व समझने की आवश्यकता

जबलपुर . उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआइ) में अकाष्ठ वन उपज, औषधीय पौधों के मूल्य संवर्धन और विपणन पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवा प्रतिभागियों ने जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों के समूह में कृषि, वानिकी, इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े छात्र, अकाष्ठ वन उपज की खेती और विपणन में रुचि रखने वाले किसान एवं गैर सरकारी संस्थान शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने कहा, औषधीय पौधों के बारे में अपने ज्ञान को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. एस.डी. उपाध्याय ने कहा, 15 दिन के प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को बेहतर जानकारी मिलेगी। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी, डॉ. हरिओम सक्सेना ने कार्यक्रम की तानकारी दी। डॉ. पीबी मेश्राम, सी बेहरा, डॉ. एस चक्रवर्ती, डॉ. फातिमा शिरीन सहित अन्य वैज्ञानिक मौजूद थे।